SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक प्रथम वर्ष पाठयक्रम

सेमेस्टर–1

विषय–संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र – दृश्य एंव श्रव्यकाव्य–भाग–1

पेपरकोड संख्या– 101

(1) स्वप्नवासवदत्तम्–भास (अंक 1 से 3)– प्रो. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर

(2) नीतिशतकम्– श्रीमद् भर्तृहरि प्रणितम (1 से 54 श्लोक)– डॉ. गोपाल शर्मा, संस्कृत विभाग, आर्टस्–कॉमर्स कॉलेज कपडवंज, गुजरात।

(3) रघुवंशम्–प्रथमसर्ग (1 से 47 श्लोक)– डॉ. रविकांत मणि– राष्ट्रीय–संस्कृत–संस्थानम् (मानित– विश्वविद्यालय) .त्रिवेणी नगरम्

(4) अनुवाद–संस्कृत से हिन्दी कारक सम्बन्धी पाँच वाक्य–
संस्कृत व्याकरण–श्रीनिवास शास्त्री

(5) हिन्दी–संस्कत में से पाँच वाक्य–
वृहद् अनवाद चन्द्रिका–चक्रधर हंस नौटियाल

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

(2) प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक व निबन्धात्मक व्याख्यात्मक प्रश्न प्रश्न पूछे जायेगें

स्वप्नवासवदतम्–भाग–अ–में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे
भाग–ब–4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायगी
ख. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा
नीतिशतकम् (1) भाग–अ–में 2–2अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे

रघुवंशम् –प्रथम सर्ग

भाग – अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

भाग –ब में से 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।

(ख) दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा

अनुवाद

क) संस्कृत से हिन्दी–कारक संबंधी पांच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है।

ख) हिन्दी से संस्कृत–दस वाक्य देकर पांच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है।

स्नातक प्रथम वर्ष का पाठयक्रम
सेमेस्टर–1
विषय–संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्नपत्र– भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य–साहित्य एवं व्याकरण
पेपर कोड संख्या– 102

(1)भारतीय सस्कृति के तत्त्व–भारतीय सस्कति विषय, पष्ठभूमि, विषेषताएँ, भारतीय सस्कृति के विकास की रूपरेखा, पूर्व वैदिक काल, वैदिकोत्तर काल मध्यकाल एंव आधुनिक काल, प्राचीन काल–राजनैतिक सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति
(2) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) भारवि कृत श्लोक 1 से 23 तक
(3) व्याकरण–लघुसिद्धान्त कौमुदी–संज्ञा एवं संधि प्रकरण
(क)संज्ञाप्रकरण
(ख)अच संधि
(4) निम्नलिखित कृत् प्रत्ययों से वाक्य निर्माण सम्बन्धी प्रश्न
तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप, ण्यत् शतृशानच्
निर्देश–
(1) भारतीय सस्कृति के तत्त्व–भाग अ–में 2–2 अंक के तीन लधूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे
(2) भाग ब–(क) दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट हैं।
(ख) दो विषयों पर टिप्पणी पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट हैं।

(2)किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथम सर्ग(डा महिमा बंसल) –1 से 23 श्लोक
भाग–अ में 2–2 अंक के चार लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
भाग–ब में क. 4 श्लोक पूछकर उनमे से किन्हीं दो श्लोको की सप्रसंग व्याख्या
ख. दो विवेचनात्क प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उतर देय होगा।
3. व्याकरण–लघूसिद्धांतकौमुदी–संज्ञा एवं संधि प्रकरण
भाग–अ में 2–2 अंक के पांच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाऐंगे।
भाग–ब में संज्ञा प्रकरण–4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 2 अंक निश्चित हैं।
अच् संधि–4 सूत्र पूछकर किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 2 अंक निश्चित है।
4 शब्द–सिद्धि पूछकर किन्हीं दो शब्दों की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि अपेक्षित हैं। प्रत्येक सिद्धि के लिए 2 अंक निश्चित है।

स्नातक प्रथम वर्ष पाठयक्रम

सेमेस्टर–2 विषय–संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र – दृष्य एंव श्रव्यकाव्य–भाग–1

पेपरकोड संख्या– 201

(1) स्वप्नवासवदत्तम्–भास (अंक 4 से 6)– प्रो. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर

(2) नीतिशतकम्– श्रीमद् भर्तृहरि प्रणितम् (55से 109 श्लोक)– डॉ. गोपाल शर्मा, संस्कृत विभाग, आर्टस्–कॉमर्स कॉलेज कपडवंज, गुजरात।

(3) रघुवंशम्–प्रथमसर्ग (48 से 95 श्लोक)– डॉ. रविकांत मणि– राष्ट्रीय–संस्कृत–संस्थानम् (मानित– विश्वविद्यालय) त्रिवेणी नगरम्

(4) अनुवाद–संस्कृत से हिन्दी कारक सम्बन्धी पाँच वाक्य–
संस्कृत व्याकरण–श्रीनिवास शास्त्री

(5) हिन्दी–संस्कत में से पाँच वाक्य–
वृहद् अनवाद चन्द्रिका–चक्रधर हंस नौटियाल

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

(2) प्रत्येक पुस्तक से लघूतरात्मक व निबन्धात्मक व्याख्यात्मक प्रश्न प्रश्न पूछे जायेगें

स्वप्नवासवदतम्–भाग–अ–में 2–2 अंक के पँाच लघत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे
भाग–ब–4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायगी
ख. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा
नीतिशतकम् (1) भाग–अ–में 2–2अंक के पँाच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे

रघुवंशम् –प्रथम सर्ग

भाग – अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

भाग –ब में से 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।

(ख) दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा

अनुवाद

क) संस्कृत से हिन्दी–कारक संबंधी पाँच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है।

ख) हिन्दी से संस्कृत–दस वाक्य देकर पाँच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है।

स्नातक प्रथम वर्ष का पाठयक्रम
सेमेस्टर–2
विषय–संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्नपत्र– भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य–साहित्य एवं व्याकरण
पेपर कोड संख्या– 202

(1) भारतीय सस्कृति के तत्त्व–वर्ण,आश्रम एवं संस्कार ,शिक्षा, लेखन–कला की उत्पत्ति, भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान

(2) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) भारवि कृत–श्लोक संख्या– 24 से 46

(3) व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा एवं संधि प्रकरण

(क) हल् संधि

(ख) विसर्ग संधि

(4) निम्नलिखित कृत् प्रत्ययों से वाक्य निर्माण सम्बन्धी प्रश्न– क्त, क्तवतु, क्त्वा ल्यप , तुमुन्

निर्देष–

(1) भारतीय सस्कृति के तत्त्व–भाग अ–में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे

(2) भाग ब–(क) दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट हैं।

(ख) दो विषयों पर टिप्पणी पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट हैं।

(2)किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथम सर्ग (डा महिमा बंसल) –24 से 46 **श्लोक**

भाग–अ में 2–2 अंक के चार लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

भाग–ब में क. 4 श्लोक पूछकर उनमे से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या

ख. दो विवेचनात्क प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उतर देय होगा।

3. व्याकरण–लघूसिद्धांतकौमुदी–संज्ञा एवं संधि प्रकरण

भाग–अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाऐंगे।

भाग–ब में संज्ञा प्रकरण–4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 2 अंक निश्चित हैं।

अच् संधि–4 सूत्र पूछकर किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 2 अंक निश्चित है।

4 शब्द–सिद्धि पूछकर किन्हीं दो शब्दों की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि अपेक्षित हैं। प्रत्येक सिद्धि के लिए 2 अंक निश्चित है।

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र– वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण–भाग–1
पेपर कोड– 301

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. **वैदिक साहित्य**
   क. ऋग्वेद के निम्नालिखित सूक्तों का अध्ययन
   1. अग्नि सूक्त (1/1)   2. वरुण सूक्त (1/25) इन्द्रसूक्त 2/12
   भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे–
   भाग ब में 4 मंत्र पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।
   ख. कठोपनिषद्–प्रथम अध्याय–प्रथम वल्ली 1 से 16 मंत्र
   भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   भाग ब में 2 मन्त्र पूछकर किसी एक की व्याख्या अपेक्षित है।
2. **गद्य साहित्य–शुकनासोपदेश युवावस्था वर्णन तक (कादम्बरी बाणभट्ट से)**
   भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   भाग ब में 4 गद्यांश पूछकर उनमे से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।
   2 विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा।
3. **वैदिक साहित्य का इतिहास**
   वेद–ऋग्वेद, यजुर्वेद, ब्राह्मण, शतपथ ब्राह्मण
   भाग अ में 2–2 अंक के लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   भाग ब 2 विवेचनात्मक मन्त्र पूछकर 1 प्रश्न का उत्तर देय होगा।
4. **लघुसिद्धांत कौमुदी–नामिक (अजन्त एवं हलन्त)**
   निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त होने वाले सूत्रों का का अर्थ ज्ञान
   क. अजन्त प्रकरणम्–राम, सर्व, हरि, गुरु
   ख. हलन्तप्रकरणम्–विश्ववाह, राजन्, भगवत्, विद्वस्

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय पत्र– नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पेपर कोड– 302

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम्–कालिदास (अंक 1 से 4 तक)
   भाग–अ में 2–2 अंक के पांच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे–
   भाग–ब में
   क. 1 से 4 अंक के पांच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे– किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।
   ख. 2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।
2. छन्द– अभिज्ञान शाकुन्तलम् के आधार पर निम्नलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप्, आर्या, उपजाति, भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, शिखरिणी छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण–
   भाग–अ में 2 अंक के एक लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछा जायेगा।
   भाग–ब में 4 छंद पूछकर 2 के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित है।
3. अलंकार– काव्यदीपिका (अष्टम शिक्षा) के आधार पर निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
   भाग–अ में 2 अंक के एक लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   भाग–ब में 4 अलंकार पूछकर उनमें से 2 के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित हैं।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–
   क. वीरकाव्य–रामायण तथा महाभारत
   ख. महाकाव्य–कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ
   ग. गीतिकाव्य–कालिदास, भर्तृहरि, पण्डितराज जगन्नाथ
   भाग–अ में 2–2 अंक 8 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   भाग–ब में 2 विवेचनात्मक प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।
5. अनुवाद–हिन्दी से संस्कृत
   10 वाक्यों में किन्हीं 5 वाक्यों का संस्कृत से अनुवाद

स्नातक द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र– वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण भाग–1
पेपर कोड– 401

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. **वैदिक साहित्य–**
   क. ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन क्षेत्रपति सूक्त 4/57, विश्वेदेवासूक्त 8/58 प्रजायति सूक्त 10/121 संज्ञान सूक्त 10/191
   ख. कठोपनिषद्–प्रथम अध्याय–प्रथमवल्ली– मंत्र 17 से अंत तक
2. **गद्य साहित्य–शुकनासोपदेश (कादम्बरी बाणभट्ट से)**
3. **वैदिक साहित्य का इतिहास–** वेद–सामवेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण–तैत्तिरीय ब्राह्मण
4. **लघुसिद्धांत कौमुदी–नामिक–अजन्त एवं हलन्त**
   अजन्त प्रकरणम्–रमा, नदी, ज्ञान, वारि
   हलन्तप्रकरणम्–युष्मद्, अस्मद्, चतुर, इदम्

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय पत्र– नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पेपर कोड– 402

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. **अभिज्ञान शाकुन्तलम्–कालिदास** (अंक 5 से 7 तक)
   5 से 7 अंकों में से 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।
   2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।
2. **छन्द–अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर निम्नलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण**–मालिनी, शार्दूलविक्रीड़ितम् इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, रथोद्धता, हरिणी, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता
3. **अलंकार–काव्यदीपिका (अष्टम शिखा के आधार पर निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण**
   अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, व्यतिरेक, समासोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, तुल्ययोगिता, संदेह, भ्रान्तिमान
4. **संस्कृत साहित्य का इतिहास–**
   क. गद्य काव्य–दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास
   ख. नाट्य साहित्य–भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त
   ग. आधुनिक संस्कृत साहित्य–(राजस्थान प्रान्त के विशेष संदर्भ में)
   (पण्डित गणेशराम शर्मा, पं. मधुसूदन ओझा, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पद्मशास्त्री, श्री सूर्यनारायण शास्त्री)
5. **अनुवाद–हिन्दी से संस्कृत**
   10 वाक्यों में से किन्हीं 5 वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र– भारतीय दर्शन एवं व्याकरण
पेपर कोड– 501

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. श्रीमद्भगवद्गीता–अध्याय – 2

भाग–अ– लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें।

भाग–ब–

क. 4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या (एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है)

ख. 2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न करना है।

2. तर्कसंग्रह–पदार्थ, सृष्टि और संहार, ईश्वर की सिद्धि, ज्ञान कारण, प्रत्यक्ष–प्रमाण

भाग–अ

क. तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

ख. 4 में से 2 की व्याख्या (एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है।)

दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर देना है।

3. व्याकरण तिङन्त– 'भू' धातोः '' लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर

भाग–अ

10 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

लट्, लृट्, लड़, लोट्, विधिलिंड, इन पांच लकारों में एवं समस्त गणों की प्रथम धातुओं की लट् लकार में रूपसिद्धि एवं सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या

भाग–ब

क. 10 सूत्र पूछकर किन्हीं पांच की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।

ख. 10 शब्दसिद्धि पूछकर किन्हीं 5 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि।

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
द्वितीय–पत्र– काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध भाग–1
पेपर कोड– 502

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. **रघुवंशम्–** छठा सर्ग (इंदुमति स्वयंवर)
2. **महाभारत (व्यास) उद्योग पर्व, विदुरनीति अध्याय 34**
3. **रामायण (वाल्मीकि) बालकाण्ड**–प्रथम सर्ग– 1 से 38 सर्ग तक
4. **इन्द्रविजय, नामधेय प्रकरण, पं. मधुसूदन ओझा**
5. **निबन्ध रचना–संस्कृत में**
    1. रघुवंशम् (छठा सर्ग) (इंदुमति स्वयंवर)
       भाग–अ
       4 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
       भाग–ब
       क. दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या
       ख. दो प्रश्नों में से एक करना होगा
    2. महाभारत–विदुरनीति
       भाग–अ
       4 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
       भाग–ब
       2 श्लोक पूछकर उनमें से एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या
    3. रामायण–
       भाग–अ
       4 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
       भाग–ब
       क. 2 श्लोक पूछकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या
       ख. 2 प्रश्न पूछकर उनमें से किसी एक का उत्तर अपेक्षित है।
    4. इन्द्रविजय
       भाग–अ
       3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
       भाग–ब
       क. 2 श्लोक पूछकर उनमें से 1 की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
       ख. 2 प्रश्न पूछकर उनमें से किसी 1 का उत्तर अपेक्षित है।
    5. निबन्ध–
       भाग–ब
       4 विषय देकर उनमें से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबंध लेखन

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक तृतीय वर्ष
षष्ठम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र– भारतीय दर्शन एवं व्याकरण
पेपर कोड– 601

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. **श्रीमद्भगवद् गीता–अध्याय 3,4**
   भाग–अ– लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें।
   भाग–ब–
   क. 4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या (एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है)
   ख. 2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न करना है
2. तर्कसंग्रह–षड्विध सन्निकर्ष, अनुमानप्रमाण, हेत्वाभास, शब्दप्रमाण, प्रामाण्यवाद, अभाव
   भाग–अ
   क. तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   ख. 4 में से 2 की व्याख्या (एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है।)
   दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर देना है।

3. व्याकरण तिड़न्त–लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर ''एध्'' धातु की लट्, लोट्, लृट, लड़्, विधिलिड़्. पांच लकारों में एवं समस्त गणों की प्रथम धातुओं की लट् लकार में रूपसिद्धि एवं सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या।
   भाग–अ
   10 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
   लट्, लृट्, लड़, लोट्, विधिलिंड, इन पांच लकारों में एवं समस्त गणों की प्रथम धातुओं की लट् लकार में रूपसिद्धि एवं सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या
   भाग–ब
   क. 10 सूत्र पूछकर किन्हीं पांच की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।
   ख. 10 शब्दसिद्धि पूछकर किन्हीं 5 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि।

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, JJN.

स्नातक तृतीय वर्ष
षष्ठम् सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र– काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबंध
पेपर कोड– 602

पूर्णांक : 70
न्यूनतम उतीर्णांक : 28

1. रघुवंशम्–छठा सर्ग (इंदुमति स्वयंवर)
2. महाभारत–(व्यास) उद्योपर्व–विदुरनीति अध्याय–35
3. रामायण (वाल्मीकि) बालकाण्ड, सर्ग–39 से 77 सर्ग तक
4. इन्द्रविजय–नामधेय प्रकरण
5. निबंध रचना–संस्कृत में